उतारा एवं मानस कुदृष्टि-निवारण

(वास्तु, वाहन एवं वृक्ष को कुदृष्टिसे बचानेके उपचारोंसहित)

卐 卐

भूमिका

भूत-प्रेत जैसी अदृश्य शक्तियोंकी खोज पश्चिमी देशोंके लोगोंने कुछ समय पूर्व ही की है । आज भूतोंकी जानकारी अनेक जालस्थल (वेबसाइटस्) पर उपलब्ध है । हमारे हिन्दू पूर्वजोंने सहस्रों वर्ष पूर्व ही इनकी केवल जानकारी ही नहीं दी, अपितु उन शक्तियोंसे होनेवाले कष्टोंसे रक्षा हेतु सुगम उपचार-पद्धतियां भी बताई हैं । उनमेंसे एक पद्धति है - उतारा ।

अतृप्त इच्छा व वासना के कारण भूलोकमें रहनेवाले हमारे ही पूर्वज या अन्य जीव इस लोकको छोड जानेके पश्चात हमें सताते हैं, इसपर विश्वास नहीं होता न ? इस सत्यको समझने हेतु इसकी कारणमीमांसा समझनी होगी । पूर्वजोंकी अतृप्त आत्माएं या उनपर नियन्त्रण कर लेनेवाली अनिष्ट शक्तियां अपनी अन्नवासनाओंकी तृप्ति हेतु या अन्य इच्छाओंकी पूर्ति करनेके लिए अन्नवासनाके माध्यमसे या अन्य प्रकारसे (उदा. बार-बार सपनेमें सांप दिखाई देना) सताती हैं । अकारण अत्यधिक भूख लगना, विभिन्न प्रकारके अन्नपदार्थ खानेकी बार-बार इच्छा होना, भूख मन्द होना, अचानक ही मद्य-धूम्रपानका व्यसन लगना जैसे अन्नवासनासे सम्बन्धित लक्षण हम कभी-कभी अनुभव करते हैं; किन्तु यह समस्या 'अनिष्ट शक्तियोंके कष्टके कारण उत्पन्न हुई है', इसकी हमें जानकारी नहीं रहती । इसका उपचार है, अतृप्त पूर्वजोंकी लिंगदेहोंकी या अनिष्ट शक्तियोंकी तृप्ति कर पानेवाली वस्तुओंका उतारा पीडित व्यक्तिपरसे उतारना । व्यक्तिपरसे उतारा उतारनेसे व्यक्तिका कष्ट घट सकता है ।

उतारेके लिए कौनसी वस्तुओंका प्रयोग करें, उतारेकी पद्धतियां कौनसी हैं, उतारा तिराहेपर क्यों रखना चाहिए, उतारेका पानीमें विसर्जन क्यों और कब करें जैसे अनेक प्रश्नोंकी अध्यात्मशास्त्रीय कारणमीमांसा ग्रन्थमें दी है ।

卐 卐

'कुदृष्टि लगने'का अर्थ है किसी व्यक्तिका कष्टदायक स्पन्दनोंसे बाधित होना । व्यक्तिके समान ही वास्तु, वाहन और वृक्ष भी कुदृष्टिसे प्रभावित होते हैं । वास्तुको कुदृष्टि लगनेसे रहनेवालोंको शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कष्ट होते हैं । वाहनको कुदृष्टि लगनेसे दुर्घटना होनेकी आशंका रहती है । वृक्षको कुदृष्टि लगनेपर उसकी फल धारण करनेकी क्षमता प्रभावित होती है, कभी-कभी वृक्ष मर भी जाता है । वास्तु, वाहन और वृक्षको कुदृष्टि न लगे, इस हेतु कौनसे उपचार करें तथा उन्हें कुदृष्टि लगी हो तो उसे कैसे उतारें, इसकी भी चर्चा इस ग्रन्थमें की है ।

'उतारा', कुदृष्टि निवारणकी पद्धतियां, अनिष्ट शक्तियोंका कष्ट दूर करनेकी स्थूल पद्धतियां हैं । कुदृष्टि उतारने हेतु आवश्यक वस्तुएं, कुदृष्टि उतारनेवाला व्यक्ति और उतारा रखनेका स्थान उपलब्ध न हो, तब क्या करें ? ऐसेमें 'अपने उपास्यदेवतासे कुदृष्टि उतारनेकी प्रार्थना करें। 'देवता मेरी कुदृष्टि उतार रहे हैं', ऐसा भाव रख उस क्रियाका स्मरण करना, इस समस्या का समाधान है । यह है मानस पद्धतिसे कुदृष्टि उतारना या मानस कुदृष्टि-निवारण । मानस पद्धतिसे कुदृष्टि उतारना, अधिक सूक्ष्म स्तरकी उपचार-पद्धति होनेके कारण, प्रभावी ढंगसे कुदृष्टि उतरनेके लिए कुदृष्टि उतारनेवाले व्यक्तिमें ईश्वरके प्रति भाव और लगन होना अथवा उसका आध्यात्मिक स्तर ५० प्रतिशतसे अधिक होना आवश्यक होता है । इस ग्रन्थ में 'मानस कुदृष्टि-निवारण' इस पद्धतिका भी यथातथ्य विचार किया गया है।

हमारे 'कुदृष्टि उतारनेके प्रकार (२ भाग)' ग्रन्थमें जिस व्यक्तिकी कुदृष्टि उतारनी हो, कुदृष्टि उतारनेवाली वस्तुओंको उसके ऊपरसे क्यों घुमाना चाहिए, कुदृष्टि उतारते समय भाव महत्त्वपूर्ण क्यों है, कुदृष्टि उतरने की फलोत्पत्ति कुदृष्टि उतारनेवाले व्यक्तिपर कैसे निर्भर है, जैसे अनेक प्रश्नोंके उत्तर 'कुदृष्टि लगने एवं उतारनेका अध्यात्मशास्त्रीय आधार' इस ग्रन्थमें दिए हैं । विषयकी पुनरावृत्तिसे बचनेके लिए, ये इस ग्रन्थमें नहीं दिए हैं ।

अध्यात्म, अनुभूतियोंका शास्त्र है । अध्यात्ममें बताए किसी कृत्यकी

अनुभूति होनेपर उस कृत्यके आधारभूत शास्त्रके प्रति तत्काल श्रद्धा बढती है । साधकोंको उतारा, मानस कुदृष्टि-निवारण जैसे उपचारोंके सन्दर्भमें हुई विविध अनुभूतियां भी ग्रन्थमें हैं, जिनसे पाठकोंकी श्रद्धामें वृद्धि होगी ।

इन उपचार-पद्धतियोंसे अधिकाधिक लोग अनिष्ट शक्तियोंकी पीडासे मुक्त हों, यही श्री गुरुचरणोंमें प्रार्थना ! - **संकलनकर्ता**

ग्रन्थकी अनुक्रमणिका

(कुछ विशेषतापूर्ण सूत्र '*' चिन्हसे दर्शाए गए हैं ।)

१. उतारा १८

* उतारा देनेका अध्यात्मशास्त्र एवं उससे होनेवाली प्रक्रिया १८

* उतारा देना आवश्यक है, यह पहचाननेके कुछ लक्षण १९

* उतारा देनेकी दो पद्धतियां १९

२. कुदृष्टिसे वास्तुकी रक्षा करना ४८

* वास्तुको कुदृष्टि लगनेकी प्रक्रिया और प्रभाव ४८

* वास्तुकी कुदृष्टि उतारना ५३

३. वाहनकी कुदृष्टिसे रक्षा करना ५५

* वाहनको कुदृष्टि न लगे इस हेतु उपचार ५५

* वाहनकी कुदृष्टि उतारना ५६

४. वृक्षको कुदृष्टि लगनेसे बचाना ५८

५. स्थूलसे कुदृष्टि उतारना और मानस पद्धतिसे कुदृष्टि उतारना ६२

६. मानस पद्धतिसे कुदृष्टि उतारना ६३

* मानस कुदृष्टि-निवारणके प्रकार एवं पद्धतियां ६४

७. उतारासे सम्बन्धित उपचारोंकी मर्यादा एवं साधनाका महत्त्व ७७